RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Post Customer ID-4000004011

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना समाचार



श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 3 अंक 6 | मूल्य - रू.1/- | जून 2018 | पृष्ठ - 8

सूखा : भीषण प्राकृतिक आपदा



राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से.....2

मंथन: सूखा एक भीषण आपदा-प्राकृतिक या मानव निर्मित?.....3

महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान.....4-5

बीजेएस गतिविधियाँ एवं समाचार 6-7

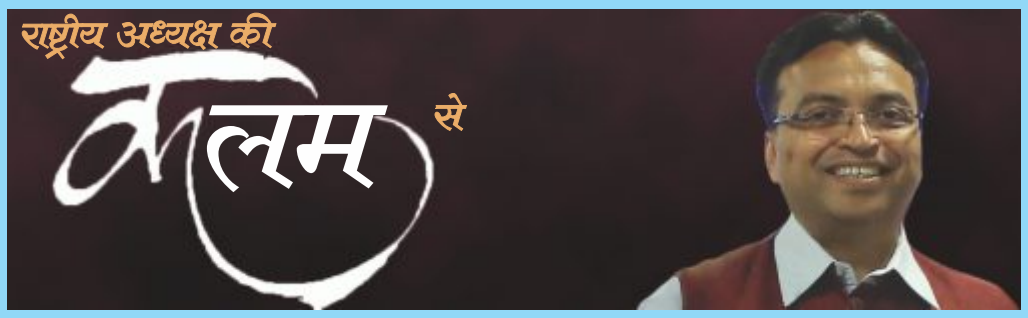

प्रिय आत्मजन,

व्यसन मुक्ति अभियान के तहत् प्रतिवर्ष 31 मई को 'विश्व तम्बाकू निषेध दिन' मनाया जाता है. अन्य नशीले पदार्थों के सेवन की अपेक्षा शराब व तम्बाकू के कारण अधिक मौत देश में प्रतिवर्ष होती हैं. पिछले कुछ दशकों में विशेषकर युवा पीढ़ी में नशीले पदार्थों का सेवन फैशन की तरह बढ़ा, वहीं दूसरी तरफ नशा मुक्ति केन्द्रों के माध्यम से समस्या समाधान के प्रयास भी सुखद परिणाम दे रहे हैं. किसी भी लत या आदत का अतिरेक ही व्यसन है. व्यसनी होने के लिए नशीले पदार्थों का सेवन करना पड़े यह आवश्यक नहीं. हमारी किन्हीं आदतों के कारण हम सभी व्यसनी हो सकते हैं. हमारी किसी के प्रति आसक्ति, क्रोध या राग-द्वेष का अतिरेक भी व्यसन के दायरे में ही आता है. सामाजिक समस्याएँ प्रत्येक युग और काल में नव-स्वरुप धारण करती रही हैं. आधुनिक युग में मशीनों का व्यसनी होकर मानव उनका गुलाम बन चुका है. आधुनिक यंत्रों के अयोग्य एवं अनुचित प्रयोग के बढ़ रहे प्रचलन तथा सोशयल मीडिया के दुष्प्रभावों के कारण जो सामाजिक प्रदूषण पनपा है उसने मानव जीवन की विधाओं तथा मानवीय सामाजिक मूल्यों पर प्रहार करना प्रारम्भ किया है. इस दशक की सर्वाधिक गंभीर समस्या 'फेसबुक' और 'व्हाट्सअप' के अनुचित एवं अयोग्य तरीकों से प्रयोग को लेकर उभरी है. यह वह समस्या है जिससे परिवार के सदस्यों के बीच संवादिता क्रमशः घट रही है. एक सामाजिक सर्वेक्षण के अनुसार एक व्यक्ति औसतन प्रतिदिन 3 घंटे 'फेसबुक' तथा 'व्हाट्सअप' पर व्यतीत करने लगा है किन्तु इन पर आने वाली 98% पोस्ट अर्थहीन एवं अनुपयोगी होती हैं, जिसके कारण कुल कार्य घंटों की हानि, कार्य क्षमता तथा उत्पादकता में गिरावट की कीमत प्रतिदिन अरबों रूपयों में आंकी जा रही है. एक सामान्य व्यक्ति के कार्यकालीन जीवन की एक तिहाई अवधि इस व्यर्थता को भेट चढ़ जाएगी, ऐसा भय सामाजिक वैज्ञानिकों द्वारा व्यक्त किया जा रहा है, जो विकासशील देशों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होगा. 'फेसबुक' तथा 'व्हाट्सअप' वरदान है या अभिशाप ? निश्चित ही आधुनिक युग में अब यह एक सामान्य व्यक्ति की प्रतिदिन की आवश्यकता बन चुका है किन्तु इनके प्रयोग का अतिरेक व्यसन का स्वरूप ले रहा है जिससे युवा पीढ़ी ग्रसित हो रही है. समाचार है कि 'व्हाट्सअप' नशामुक्ति केंद्र, बैंगलोर तथा दिल्ली में प्रारम्भ हुए हैं. इन प्रयासों से शायद समस्या का अल्प मात्रा में समाधान संभव हो किन्तु इस विनाशकारी व्यसन से जन-जन व विशेषकर युवा पीढ़ी को बचाने के व्यापक व राष्ट्र स्तरीय प्रयासों की आवश्यकता है. मोबाईल फोन अब मात्र एक यन्त्र नहीं रहा अपितु अणुबम से ज्यादा घातक प्रमाणित हो रहा है किन्तु इस वास्तविकता के प्रति समझ व जागरूकता का अभाव ही समस्या को गहरा रहा है. आधुनिक गजेट्स प्रयोग के अतिरेक से युवतियों और बालिकाओं के जीवन पर पड़ रहे दुष्प्रभावों और दुष्परिणामों से आगाह कर उनमें स्वाभिमान एवं सम्मान को सुरक्षित रखने की क्षमताओं को भर देने का कार्य भारतीय जैन संघटना के युवती सक्षमीकरण अभियान के तहत् 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम से किया जा रहा है. प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में देश की बेटियों को सक्षम करने के लक्ष्य के साथ भारतीय जैन संघटना इस विषय पर गत एक दशक से कार्यरत है. अब युवाओं एवं विद्यार्थियों हेतु भी ऐसे ही अभियान का श्रीगणेश शीघ्र करने की योजना है. आधुनिक युग के नव-व्यसनों से मानव व विशेषकर युवा पीढ़ी को बचाने के प्रयासों को गति देने में हम सभी की रचनात्मक भूमिका के लिए प्रार्थना करता हूँ.

'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा – जिसमें मिला दो, लगे उस जैसा'. कवियों और साहित्यकारों द्वारा उनकी कृतियों एवं रचनाओं से मानव सभ्यताओं को जल की महिमा के गुणगान का सन्देश सदियों से दिया जाता रहा है. विभिन्न कालों एवं युगों की मानव सभ्यताएँ जल की आवश्यकता एवं महत्व से भली भांति परिचित होने के उपरांत भी जल-संग्रह, भूमिगत जल-संचय, जल उपयोग और अपव्यय जैसे मुद्दों को नज़रअंदाज़ करती आयी हैं. सृष्टि में जल का अथाह भंडार है किन्तु मानव उपयोग हेतु कुल मिलकर मात्र 3 प्रतिशत जल ही उपलब्ध है जिसकी मात्रा भी प्राकृतिक तथा मानव निर्मित कारणों से वर्ष प्रतिवर्ष घटती जा रही है. जनसंख्या विस्फोट के कारण एक तरफ बढ़ती जल की मांग व दूसरी तरफ सूख रहे जल स्त्रोत, मानव सभ्यताओं के समक्ष किसी चुनौती से कम नहीं है. आम धारणा है कि जल संकट का कारण प्रकृति प्रदत्त है जिसके सामने मानव सदैव से लाचार है. किन्तु यह वास्तविकता नहीं है क्योंकि जल को सामाजिक दायित्वों में लाकर उसके योग्य संग्रह व उपयोग तथा अपव्यय आदि पर जन-जागृति से समस्या का निश्चित समाधान संभव है. इस हेतु भारतीय जैन संघटना, पानी फाउंडेशन आदि संस्थाओं के साथ मिलकर गत कुछ वर्षों से महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान पर कार्यरत है. प्रबल आशातीत परिणामों के साथ नवीन सामाजिक जल क्रांति का शंखनाद स्पष्ट रूप से होता दिखाई दे रहा है जिसका भविष्य की मानव सभ्यताओं के लिए वरदान साबित होने की शत-प्रतिशत संभावना है.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुंवा जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई सुरेश कोठारी, अहमदाबाद सुदर्शन जैन, बड़नेरा, वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, संजय सिंघी, रायपुर, राजेंद्र लुंकड़, इरोड़

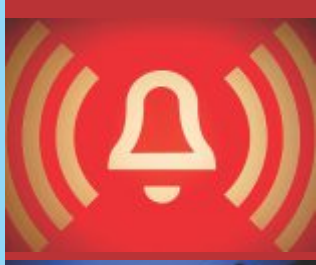






मंथन

सूखा एक भीषण आपदा- प्राकृतिक या मानव निर्मित ?

प्रत्येक मौसम के प्रति हमारे अपने अनुभव और अनुभूतियां सामान्यतः अल्पकालिक होते हैं, जबकि 'सूखा' वह क्रमिक घटना है जिसकी पकड़ किसी भी भौगोलिक क्षेत्र पर गुजरते समय के साथ बढ़ती जाती है और कुछ ही वर्षों में शिकंजा इतना कस जाता है कि जल, कृषि और सामाजिक स्थितियों पर उसका विध्वंसकारी प्रभाव स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होने लगता है.

कोपायमान प्रकृति वर्ष के दौरान प्रतिदिन विश्व के किसी न किसी भाग में भूकम्प या अन्य आपदाओं से उसका रौद्र रूप दिखलाती रहती है. अधिकांश प्राकृतिक आपदाओं का प्रभाव सामान्यतः मध्य-अल्पायु होता है, जबकि 'सूखा' प्राकृतिक आपदा का ही एक स्वरुप है किन्तु यह वर्षों तक पीछा नहीं छोड़ता. 'सूखे' को एक मौसम की अवधि बढ़कर लम्बी होने के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो वर्ष या अधिक वर्षों तक पाँव जमा लेता है. वर्षा की न्यूनता ही इसका मुख्य कारण है. जलाशयों और जलस्त्रोतों का लम्बी अवधि तक सूख जाना और उसका कृषि उत्पादन और उप-उत्पादनों पर विपरीत असर ही 'सूखे' के लक्षण हैं. मौसम, जल भंडारों और कृषि की स्थितियों के सन्दर्भ में 'सूखे' की स्थितियों का निर्धारण होता है. वर्षा के उतावले मिजाज के दुष्परिणाम से मिट्टी में नमी की मात्रा क्रमशः घटती है जिससे फसल का लम्बी अवधि तक नष्ट होने का क्रम ही 'सूखा' है. अन्य प्राकृतिक आपदाओं की तरह 'सूखा' भी विश्व के किसी न किसी भाग को चपेट में सदियों से लेता आ रहा है. 20वीं शताब्दी में 80 के दशक में अफ्रीका में इतिहास का सर्वाधिक भीषण सूखा पड़ा था. आमतौर पर 'सूखा' जैसी त्रासदी मानव नियंत्रण से परे मानी जाती है. पर्यावरणीय असंतुलन के कारण मौसम के बदलते मिजाज पर गहन अनुसंधान से यह तथ्य सामने आया है कि इस मुख्य कारण जंगलों का सफाया होना है. वृक्षों का बड़ी मात्रा में कटने से कार्बन डाई-ऑक्साइड की मात्रा बढ़ती है, परिणामस्वरूप पृथ्वी पर वातावरण गर्म होता जाता है, जिसे हम 'ग्लोबल वार्मिंग' के नाम से भी जानते हैं. वृक्ष जमीन से नमीं खेंच कर उसे भाप के रूप में परिवर्तित करते हैं जिससे बादलों का निर्माण होता है. वृक्षों के व्यापक छेदन से यह प्रक्रिया के मंद पड़ती है जो अनियमित और न्यूनतम वर्षा का कारणरूप होती है.

भारतीय कृषि अर्थ व्यवस्था संपूर्णतः वर्षा पर आधारित है. गत अनेक वर्षों से अनियमित और न्यूनतम वर्षा से देश के अनेक राज्य उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र सूखे से पीड़ित हैं. वर्ष 2016 में भारत सरकार ने देश के 256 जिलों को सूखा प्रभावित घोषित किया था जिसमें देश की लगभग एक चौथाई आबादी निवास करती है.

भीषण 'सूखे' ने मध्य एवं पश्चिमी महाराष्ट्र को गत अनेक वर्षों से चपेट में लिया हुआ है. यहाँ आर्थिक एवं सामाजिक परिस्थितियां अत्यंत ही विकट होने के कारण 5000 से अधिक किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा है. 'सूखा' प्राकृतिक आपदा है किन्तु सामाजिक आपदा के स्वरुप में वह यहाँ स्थाई सा हो गया है.



प्राकृतिक आपदाओं के निश्चित कारणों का विश्लेषण करने हेतु वैज्ञानिक जुटे ही रहते हैं, किन्तु 'सूखे' के सन्दर्भ में यह वास्तविकता भी पूर्णतः स्पष्ट है कि इसका कारण प्राकृतिक कम और मानव निर्मित अधिक है. यह ऐसी आपदा भी नहीं है कि जिसका हल ही न निकल सके. जल की उपयोगिता, संग्रह व उचित उपभोग की शिक्षा व जागरूकता का अभाव ही इस आपदा को स्थाई स्वरुप देता है. पानी फाउन्डेशन और भारतीय जैन संघटना ने सर्वप्रथम इस आपदा को राष्ट्रीय समस्या के दायरे से बाहर लाने का भागीरथ कार्य किया और साथ ही साथ महाराष्ट्र की जनता के जन-मानस में इसे उनके सामाजिक उत्तरदायित्वों के रूप में सफलता से प्रस्थापित किया. सदियों से अब तक जो कार्य भगवान या सरकार के भरोसे छोड़ा जाता था वह अब जनता की जवाबदारी में आया और जन-भागीदारी की बदौलत महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान ने एक नवीन सामाजिक जल क्रांति को जन्म दिया जो देश ही नहीं विश्व इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित होगा.

वर्षा की प्रत्येक बूंद का मूल्य, भू-स्तरीय जल संग्रह के योजनाबद्ध प्रयासों हेतु ग्रामजन व विशेषकर किसानों की भूमिका के प्रति उन्हें शिक्षित करने का अद्भुत प्रयोग ऐसा रंग लाया कि महाराष्ट्र की जनता ने दिन-रात सामूहिक श्रमदान कर असंभव को संभव कर दिखाया. अब तक सरकारी योजनाओं में सामाजिक संस्थाओं का सहकार अपेक्षित होता था किन्तु यह देश के इतिहास में पहली बार हुआ कि संस्थाओं के आव्हान और अभियान को सफल बनाने का बीड़ा राज्य सरकार ने उठाया हो. ग्रामजन, पानी फाउन्डेशन, भारतीय जैन संघटना और सरकार के मध्य समन्वयित कार्य प्रणाली का यह चमत्कारी प्रयास अब 'सूखे' को 'गीले' में निश्चित ही परिवर्तित कर देगा. यहाँ वृक्षारोपण व वृक्षों की देखभाल अत्यंत ही महत्वपूर्ण होगी जिस हेतु बहु-स्तरीय योजनाबद्ध प्रयासों की आवश्यकता सदैव रहेगी.







महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान - हम अंतिम लक्ष्य प्राप्ति तक लड़ते रहेंगे





पानी फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित 'सत्यमेव जयते वॉटर कप' प्रतियोगिता का महाराष्ट्र के 24 जिलों में 75 तहसीलों के 3000 सूखाग्रस्त गाँवों में इस वर्ष 8 अप्रैल से 22 मई 2018 के मध्य आयोजन किया गया. गत वर्ष के 'सत्यमेव जयते वॉटर कप' प्रतियोगिता के सुखद परिणामों से उत्प्रेरित 1500 गांवों के समस्त ग्रामजन सूखामुक्ति हेतु सामूहिक श्रमदान के यज्ञ में पूर्ण आस्था, दृढ़संकल्प और लगन के साथ आहुतियाँ देने में जुटे रहे. 8 अप्रैल की रात्रि ठीक 12 बजे इस प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ. प्रतियोगिता में प्रत्येक गाँव द्वारा ग्राम-भूगोल के आधार पर बनाई गई योजना के अनुरूप जल संचय हेतु नदी, नालों आदि को गहरा व चौड़ा करने, ढलानी जमीन पर गड्ढे बनाने, बांध बनाने आदि में उनका अमूल्य योगदान देते हुए गाँव के बच्चों से लेकर युवा, बुजुर्ग, महिलाएं आदि सभी ग्रामजन ने उनकी सम्पूर्ण क्षमता के साथ दिन-रात अथक श्रमदान कर गांव को सूखा मुक्त करने के लक्ष्य पर पहुँचने का प्रयास किया. इस प्रतियोगिता को व्यापकता देने व ग्रामजन को उत्प्रेरित करने के उद्देश्य से दिनांक 1 मई 'महाराष्ट्र दिवस' के अवसर पर महाश्रमदान का आयोजन अनेक गांवों में किया गया जिसमें ग्रामजन के अतिरिक्त बड़ी संख्या में शहरीजन, सरकारी अधिकारी, राजनीतिज्ञ तथा भारतीय जैन संघटना के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया. इन प्रयासों को सम्पूर्ण महाराष्ट्र ही नहीं अपितु समस्त देशवासियों से श्रेष्ठ प्रतिसाद प्राप्त हुआ.



आदरणीय श्री शांतीलालजी मुथ्था ने इस वास्तविकता का आंकलन वर्षो पूर्व कर लिया था कि मानव श्रम की सीमा होती है व सूखे जैसी भीषण समस्या से निपटने हेतु मानव श्रमदान को मशीनों का साथ देकर ही अंतिम लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है. भारतीय जैन संघटना ने प्रतियोगिता में सहभागी प्रत्येक गाँव में श्रमदान का प्रथम पड़ाव पूर्ण होने पर जेसीबी तथा पोकलेन मशीन नि:शुल्क उपलब्ध करवाने का महत्वपूर्ण निर्णय ही नहीं लिया अपितु इन गांवों में निर्धारित किए गए श्रम घंटों हेतु मशीनों से श्रमदान पूर्ण करवाने का कार्य लक्ष्यबद्ध तरीके से पूर्ण करवाया. महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त इन गाँवों के रहवासियों में उनके द्वारा किए गए श्रमदान और भारतीय जैन संघटना द्वारा प्रदान की गई मशीनों की सहायता ने उनके जीवन में नए सूर्योदय की आशा का संचार हुआ है. इस प्रतियोगिता के दौरान महाराष्ट्र की 75 तहसीलों में पिछलें 2 महीनों के दौरान 1500 गांवों में 1650 जेसीबी/पोकलेन मशीनों की सहायता से 5.11 करोड़ क्यूबिक मीटर अर्थात 5100 करोड़ लीटर जल भण्डारण क्षमता बढ़ने का कार्य किया गया. इस दौरान 8 लाख 52 हजार घंटे मशीनों ने कार्य किया. जो अपने आप में एक कीर्तिमान है. इस प्रतियोगिता को निश्चित ही ग्रामजन के अथक श्रमदान ने सफल बनाया किन्तु भारतीय जैन संघटना द्वारा नियुक्त किए गए तालुका सुपरवाईजर व कोर्डिनटर्स की भूमिका निर्णायक एवं महत्वपूर्ण रही क्योंकि बड़ी मात्रा में मशीनों का युद्ध स्तर पर प्रबंध करना व उनका सही उपयोग करवाना तथा डीजल आदि का समय से प्रबंध आदि किसी चुनौती से कम नहीं था. भारतीय जैन संघटना को उसके कार्यकर्ताओं पर सदैव नाज़ रहेगा.



सुजलाम् सुफलाम् एक अभिनव प्रयोग- श्री मुथ्था

बीजेएस के संस्थापक अध्यक्ष श्री शांतीलालजी मुथ्था का कहना है कि भले ही पिछले डेढ़ महीनों में काफी कार्य हुआ है, फिर भी पूरे महाराष्ट्र को सूखा मुक्त करने का सपना बहुत बड़ा है. बीजेएस को इसका अहसास है. तीन माह पूर्व बीजेएस ने एक सम्पूर्ण जिलें को सूखा मुक्त करने का अभिनव प्रयोग बुलढाना जिले से शुरू किया है. इसके लिए 134 जेसीबी/पोकलेन मशीनों को बीजेएस ने ख़रीदा है, जिलें में सिंचाई क्षेत्रों के विकास के सभी कार्यों के पूरा होने तक इब मशीनों का बुलढाना जिलें में इस्तेमाल किया जायेगा. पिछले तीन महीनें से जारी 'सुजलाम-सुफलाम बुलढाना' योजना को सभी स्तर पर भारी समर्थन मिल रहा है. इससे शीघ्र ही पूरे जिलें को सूखा मुक्त करने का सपना पूरा किया जा सकेगा. केवल तीन महीनें में 45 लाख क्यूबिक मीटर कीचड़ निकाला गया है. इस कीचड़ को 9 हजार एकड़ जमीन में डाला गया है, इससे 450 करोड़ लीटर जल भण्डारण क्षमता अब तक केवल बुलढाना जिलें में पैदा की जा सकी है.



यह प्रतियोगिता भले ही 22 मई, 2018 को समाप्त हो गई हो, किन्तु आज भी महाराष्ट्र में ऐसे अनेक गाँव हैं जिन्हें सूखा मुक्ति के संघर्ष में भारतीय जैन संघटना का साथ चाहिए. उनके प्रति कर्तव्यों को पूर्ण करने के उद्देश्य से भारतीय जैन संघटना प्रतियोगिता के बाद भी मशीन उपलब्ध करवाएगा. ऐसे गाँवों में किया हुआ कार्य भले ही प्रतियोगिता में शामिल न हो परन्तु यह सूखा मुक्त महाराष्ट्र के लिए बेहद आवश्यक है. हम इसी तरह गाँववालों के साथ मिलकर सूखे के विरुद्ध लड़ते रहेंगे और पूरा महाराष्ट्र सूखा मुक्त किये बिना चैन नहीं पाएंगे. जल संग्रह और भूमिगत जल संचय के किए गए प्रबंधों पर इस वर्ष इंद्र देव की कृपा दृष्टि आशा में ग्रामजन ही नहीं चातक दृष्टि लगाए खड़ा है.

पड़े अब इस समस्त महाराष्ट्र

इस अभियान में पानी फाउंडेशन की अहम् रचनात्मक भूमिका के अतिरिक्त महाराष्ट्र राज्य सरकार विशेषकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडनवीस, जिला अधिकारियों का सहयोग एवं सहकार की जितनी प्रशंसा की जाये कम होगी. इस प्रतियोगिता में पानी फाउंडेशन के साथ भारतीय जैन संघटना तथा राज्य सरकार की रचनात्मक भूमिका ने निश्चित ही इस सूखा मुक्ति अभियान को एक क्रांति का स्वरूप प्रदान किया जो देश के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित होगी.



















भारतीय जैन संघटना का आगामी राष्ट्रीय अधिवेशन बैंगलोर (कर्नाटक) में आयोजित होगा

दिनांक 11 व 12 मई, 2018 को हुबली (कर्नाटक) में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख की अध्यक्षता में बीजेएस राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की सभा संपन्न हुई, जिसमें राष्ट्रीय पदाधिकारियों के अतिरिक्त विभिन्न राज्यों के अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित रहे. बीजेएस के आगामी द्विवार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन के 15 तथा 16 दिसंबर, 2018 को बैंगलोर में आयोजित करने के सन्दर्भ में यह सभा महत्वपूर्ण रही व आयोजन संबंधी विविध मुद्दों पर सैद्धांतिक व व्यवस्थाओं से सम्बंधित निर्णय लिये गए. सदस्यों को सूचित किया गया कि अधिवेशन स्थल पैलेस ग्राउंड, बेल्लारी रोड, बैंगलोर में निश्चित किया गया है, जिसमें 3000 डेलिगेट्स भाग लेंगे. iBuD इंटरनेशनल दुबई के मार्च,18 में हुए सफल आयोजन व इस tour की सार्थकता व उपयोगिता पर युवा उद्यमी श्री तरुण जैन हैदराबाद (सचिव बीजेएस आंध्र/तेलंगाना) ने वक्तव्य में कहा कि युवा सहभागियों को अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय हेतु अत्यंत ही स्पष्ट road map प्राप्त हुआ है. आपने ऐसे अधिक tour के आयोजन की आवश्यकता बतलाई. विचार-विमर्श के पश्चात् अक्टूबर, 2018 में दूसरा अंतर्राष्ट्रीय iBuD श्री राकेश जैन, इंदौर के नेतृत्व व श्री वीरेन्द्र जैन इंदौर के संयोजन में आयोजित करने का निर्णय लिया गया. 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम के महत्व व देश को इसकी आवश्यकता के सन्दर्भ में इसे व्यापकता देने के प्रयासों से सदन को अवगत कराया गया. युवकों के लिए इसी तरह के कार्यक्रम की परम आवश्यकता पर अनेक सदस्यों ने विचार व्यक्त किये. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सूचित किया कि इस तरह का कार्यक्रम उनके नेतृत्व में निर्मित करने का कार्य प्रगति पर है व इसके पायलेट प्रोग्राम आगामी कुछ ही माह में किये जायेंगे. मेट्रीमोनिअल portal जिसमें 1 लाख जैन युवक-युवती प्रत्याशियों का विवरण उपलब्ध हो विषय पर श्री अनिल रांका, इंदौर ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आज के समय की मांग है व ऐसे portal के निर्माण का निर्णय लिया जाना चाहिए. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सूचित किया कि ऑनलाइन SAP-4 को अब नि:शुल्क कर दिया गया है. कोई भी स्कूल अब उनके कक्षा-4 के विद्यार्थियों का SAP TEST नि:शुल्क करवा सकेंगे, जिस हेतु उपस्थित सदस्यों को उनके राज्य में इसे क्रियान्वित करने हेतु प्रार्थना की. प्रतिवर्ष आयोजित किये जाने वाले प्लास्टिक सर्जरी शिविरों में भारतीय डॉक्टरों की मानद सेवाएँ लेकर इस अभियान को अधिक गति और व्यापकता देने का प्रस्ताव रखा गया. बीजेएस चेप्टर्स हेतु कुछ सामान्य कार्यक्रमों को उनकी नियमित गतिविधियों के रूप में सुझावित करने हेतु चर्चा हुई व कुछ कार्यक्रमों की सूची तैयार की गयी. दो दिवसीय सभा के अंत में बीजेएस कर्नाटक के अध्यक्ष श्री दिनेश पालरेचा एवं सचिव श्री जयन्ती धनेशा तथा उनकी टीम को सभा आयोजन एवं आत्मीय तथा ऊष्म आतिथ्य हेतु आभार व्यक्त किया गया.





ONLINE SAP 4 को विद्यार्थियों तक ले जाएँ

बीजेएस निर्मित SAP-4 कक्षा-4 के विद्यार्थियों की नैसर्गिक क्षमताओं का परीक्षण व मूल्यांकन कर माता-पिता को उनके बच्चों की नैसर्गिक क्षमताओं के सम्बन्ध में सही मार्गदर्शन देने का कार्यक्रम है. यह सुविधा ऑनलाईन नि:शुल्क उपलब्ध है. इसमें कक्षा-4 के विद्यार्थी को कम्प्युटर पर 2 घंटे की अवधि के लिए बैठकर कम्प्यूटर गेम की तरह ही खेल-खेल में कुछ उत्तर देने होते हैं जिससे उनकी बुद्धिमत्ता एवं रूचि एवं नैसर्गिक क्षमताओं का मूल्यांकन होता है व अंत में एक प्रिंटेड रिपोर्ट तत्काल प्राप्त होती है जो बच्चे के सन्दर्भ में भावी मार्गदर्शन में अभिभावकों हेतु पर्याप्त होगी. विद्यालयों के माध्यम से यह मूल्यांकन परिक्षा लेना हितावत है. इस हेतु website:sap.bjsapps.com को visit करें

'स्मार्ट गर्ल' Refresher Course प्रशिक्षक प्रशिक्षण सम्पन्न

भारतीय जैन संघटना के कार्यक्रम 'स्मार्ट गर्ल' के Refresher Course का प्रशिक्षण नेटवर्क ट्रेनर्स को प्रदान किया गया.
दिनांक 18-20 एवं 25-27 दो सत्रों में देश भर से आये 50 प्रशिक्षकों ने श्री प्रफुल्ल पारख से बीजेएस हेड ऑफिस, पुणे में प्रशिक्षण प्राप्त किया.







पुरानी पुस्तकों का नि:शुल्क वितरण

भारतीय जैन संघटना मैसूर की ओर से हल्लतकेरी ज्ञान मंदिर प्रांगण में विद्यादान कार्यक्रम में जरुरतमंद विद्यार्थियों को पुरानी पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया. यह पुस्तकें एक वर्ष अध्ययन करने हेतु दी गई है, उत्तीर्ण होने के पश्चात् वापस लौटना होगी.



अभियान की संचालक सुश्री निशा बी. जैन ने बताया कि पुरानी पुस्तकों को रद्दी में बेचने से अच्छा है उन्हें जरूरतमंद को दे दिया जाये.
इस अवसर पर श्री प्रकाश श्रीश्रीमाल, श्री प्रकाश गुलेच्छा, श्री विमल पतालिया मौजूद रहे.

फेडरेशन ऑफ़ जैन एज्युकेशनल इंस्टिट्यूट मध्यप्रदेश ने अल्पसंख्यक विषय पर की कार्यशालायें आयोजित

दिनांक 19 मई, 2018 को IPS अकादमी, राजेंद्रनगर, इंदौर में मध्यप्रदेश की जैन शिक्षण संस्थाओं हेतु संवैधानिक अधिकारों एवं लाभों पर सेमिनार आयोजित हुआ जिसमें 50 से अधिक शिक्षण संस्थाओं के ट्रस्टीयों व प्रबंधकगण ने भाग लिया. अल्पसंख्यक जैन शिक्षण संस्थाओं के संवैधानिक अधिकारों एवं लाभों पर बीजेएस माइनॉरिटी नोलेज सेंटर द्वारा निर्मित इस कार्यक्रम की प्रस्तुति भारतीय जैन संघटना के अल्पसंख्यक लाभ जन-जागृति अभियान के राष्ट्रीय संयोजक श्री निरंजन जुंवा जैन, अहमदाबाद ने दी. फेडरेशन ऑफ़ जैन एज्युकेशनल इंस्टिट्यूट मध्यप्रदेश के अध्यक्ष श्री अचल चौधरी, सचिव श्री राजेंद्र महाजन, बीजेएस राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री वीरेंद्र जैन ने सभा को संबोधित किया व FJEI के उद्देश्यों से अवगत करवाया.

दिनांक 20 मई, 2018 को IPS अकादमी के सौजन्य में अल्पसंख्यक लाभ जन-जागृति अभियान के संचालनार्थ समाज के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने हेतु कार्यशाला का आयोजन प्रातः 9 से सांय 6 बजे तक हुआ, जिसमें श्री निरंजन जुंवा जैन ने 35 समाजजन को अल्पसंख्यक अधिकारों एवं लाभों के रिसोर्स पर्सन बनाने हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया. ये सभी तैयार किये प्रशिक्षक उनके जिलों में अल्पसंख्यक लाभों का प्रचार-प्रसार व समाजजन को इस विषय में मार्गदर्शन देने का कार्य करेंगे.



मध्यप्रदेश में 'युगलों का सक्षमीकरण' कार्यशालाओं का आयोजन



- दिनांक 6-7 मई, 2018 राजगढ़, प्रतिभागी : 8, प्रशिक्षक श्री सुशील जैन, इंदौर
- दिनांक 15-16 मई, 2018, झाबुआ, प्रतिभागी:18, प्रशिक्षिका सुश्री पदमा दांगी एवं सुश्री मीना मारू,इंदौर
- दिनांक 17 मई, 2018 राजगढ़, प्रतिभागी: 28, प्रशिक्षक श्री सुशील जैन, इंदौर
- दिनांक 25-26 मई, 2018 इंदौर, प्रतिभागी: 30, प्रशिक्षक श्री सुशील कुमार जैन, इंदौर

Financial Assistance by Bharatiya Jain Sanghatana

Bharatiya Jain Sanghtana, Pune is proposing to give financial assistance to needy eligible students and NGOs. The eligibility criteria shall be as below :

1. Scholarships to poor Jain Students (whose family annual income is up to Rs. 2,50,000) studying in 5th std to 10th std, an amount of one time Rs.10,000/- per student residing at such places having population less than 10 lakhs.
2. Assistance to NGOs which are running skill development centers for needy women from lower strata of the society carrying out their activity at such places having population less than 10 lakhs.
3. Assistance to NGOs which are running school for children from lower strata of the society carrying out their activity at such places having population less than 10 lakhs.

Deserving students / organizations may send their applications in the prescribed format along with necessary documents scanned copies and compliances of the terms and conditions as stated in the prescribed form by email to info@bjsindia.org. The last date for receiving such applications will be 30th June 2018. The application forms are available online on http://bjsindia.org/grants.html

The grant/assistance will be only one time and the decision of BJS regarding the sanction of grants/assistance shall be final and no correspondence shall be entertained in this regard.

बीजेएस के प्लास्टिक सर्जरी शिविरों को देंगे नया स्वरुप

बीजेएस द्वारा गत 25 वर्षों से चलाये जा रहे नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविरों का आयोजन अमेरिका स्थित प्लास्टिक सर्जनों की मानद सेवाओं के फलस्वरूप होता है, जिसमें प्रतिवर्ष दिसंबर एवं जनवरी माह में उनकी सेवाएँ उपलब्ध होती हैं. इस अभियान को व्यापक और राष्ट्र स्तरीय स्वरुप देने की आवश्यकता के मद्देनज़र भारतीय प्लास्टिक सर्जनों की मानद सेवाएँ की आवश्यकता होगी ताकि देश के सभी राज्यों में पूरे वर्ष के दौरान इस कार्यक्रम को चलाया जा सके.

यदि आप ऐसे प्लास्टिक सर्जन से परिचित हैं जो नि:शुल्क सेवाएँ मानवीय आधार पर देना चाहते हैं तो भारतीय जैन संघटना पुणे के मुख्य कार्यालय में **श्री शशिकांत मुनोत से मोबाईल न. 9420477052** पर संपर्क कर जानकारी प्रदान करें.

भारतीय जैन संघटना के आगामी परिचय सम्मेलन

नाशिक (महाराष्ट्र)
दिनांक: 1 जुलाई,, 2018, रविवार
पंजीयन की अंतिम तिथि: 20 जून , 2018
पंजीयन हेतु संपर्क: 982 3644 114

इंदौर (मध्यप्रदेश)
दिनांक:15 जुलाई, 2018, रविवार
पंजीयन की अंतिम तिथि: 25 जून, 2018
पंजीयन हेतु संपर्क: 0731-306 9116

अमरावती (महाराष्ट्र)
दिनांक: 19 अगस्त, 2018, रविवार
पंजीयन की अंतिम तिथि:31 जुलाई, 2018
पंजीयन हेतु संपर्क: 942 052 1477

उक्त परिचय सम्मेलनों हेतु ऑनलाईन पंजीयन:
http://bjsmm.bjsapps.com पर करें.

अल्पसंख्यकता के अधिकार एवं लाभ जनजागृति अभियान के तहत् आगामी कार्यक्रम

प्रशिक्षक एवं मार्गदर्शन : श्री निरंजन जुवां जैन, अहमदाबाद
राष्ट्रीय संयोजक,बीजेएस मायनारिटी नालेज सेंटर

A one day workshop for training Resource Persons for **ONLINE APPLICATION PROCESSING METHODS under MINORITY SCHOLARSHIP SCHEMES**

1. खुरई - जिला सागर (म.प्र.)	- 16 जून, 2018
2. कोयम्बटूर - (तमिलनाडु)	- 23 जून, 2018
3. चेन्नई - (तमिलनाडु)	- 28 जून, 2018
4. बैंगलोर - (कर्नाटक)	- 29 जून, 2018
5. होसपेट - (कर्नाटक)	- 1 जुलाई, 2018
6. आगरा - (उत्तर प्रदेश)	- 8 जुलाई, 2018

SEMINAR ON CONSTITUTIONAL RIGHTS AND BENEFITS OF MINORITY EDUCATIONAL INSTITUTES

1. खुरई - जिला सागर (म.प्र.)	- 17 जून, 2018
2. बैंगलोर - (कर्नाटक)	- 30 जून, 2018

LECTURE ON CONSTITUTIONAL RIGHTS AND BENEFITS OF MINORITY

1. कोयम्बटूर - (तमिलनाडु)	- 24 जून, 2018

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Post Customer ID 4000004011
Published on 07.06.2018
Posted at Market Yard PSO, Pune On-10.06.2018

If undelivered Please Return To
BJS Bharatiya Jain Sanghatana
Muttha Chambers II, Senapati Bapat Road, Pune 411016
Tel. : 020 6605 0220
Website: www.bjsindia.org Email : info@bjsindia.org Facebook : www.facebook.com / BJSIndiacommunity Tweeter : BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था चेम्बर्स -२ , सेनापति बापट मार्ग, पुणे – 411016 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 6605 0220